KJ-1413

M.A. (Previous)
Term End Examination, 2020

HINDI LITERATURE

Paper - III

आधुनिक हिन्दी काव्य

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 100

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 10×3

(क) विफल जीवन व्यर्थ बहा, बहा,
सरस दो पद भी न हुए हहा!
कठिन है कविते, तब भूमि ही,

पर यहाँ श्रम भी सुख-सा रहा।

करुणे, क्यों रोती है?

'उत्तर' में और अधिक तू रोई-

मेरी विभूति है जो,

उसको 'भवभूति' क्यों कहे कोई।

अथवा

दु:ख की पिछली रजनी बीच विकसता सुख का नवल प्रभात।

एक परदा यह झीना नील छिपाए हैं जिसमें सुख गात॥

जिसे तुम समझे हो अभिशाप, जगत की ज्वालाओं का मूल।

ईश का वह रहस्य वरदान, कभी मत इसको जाओ भूल॥

विषमता की पीड़ा से व्यस्त हो रहा स्पंदित विश्व महान।

यही दुख-सुख विकास का सत्य, यही भूमा का मधुमय दाना॥

(ख) मुझ भाग्यहीन की तू सम्बल,
युग वर्ष बाद जब हुई विकल,
दुख ही जीवन की कथा रही,
क्या कहूँ आज, जो नहीं कही!
हो इसी कर्म पर वज्रपात,
यदि धर्म, रहे नत सदा माथ,
इस पथ पर मेरा कार्य सकल,
हों भ्रष्ट शीत के-से शतदल!
कन्ये गत कर्मों का अर्पण,
कर करता मैं तेरा तर्पण।

अथवा

यह क्षितीज बना धुँधला विराग,
नव अरूण अरुण मेरा सुहाग,
छाया-सी काया वीतराग,
सुधि-भीने स्वपन रंगीले घन!
साधों का आज सुनहलापन,
घिरता विषाद का तिमिर सघन,
सन्ध्या का नभ से मूक मिलन,
यह अश्रुमति हँसती चितवन!

(ग) मुझे स्मरण है

और चित्र प्रत्येक

स्तब्ध, विजड़ित करता है मुझको।

सुनता हूँ मैं

पर हर स्वर-कम्पन लेता है मुझ को मुझ से सोख-

वायु-सा नाद-भरा उड़ जाता हूँ मैं।

मुझे स्मरण है-

पर मुझ को मैं भूल गया हूँ सुनता हूँ मैं-

पर मै मुझ से परे, शब्द में लीयमान।

मैं नहीं, नहीं! मैं कहीं नहीं! ओ रे तरु! ओ वन!

ओ स्वर-सम्भार? नादमय संसृति!

अथवा

सूनी है राह, अजीब है फैलाव,

सर्द अँधेरा।

ढीली आँखों से देखते हैं विश्व

उदास तारे।

हर बार सोच और हर बार अफसोस

हर बार फिक्र

के कारण बढ़े हुए दर्द का मानो कि दूर
वहाँ, दूर वहाँ,

अँधियारा पीपल देता है पहरा।

हवाओं की नि:संग लहरों में काँपती

कुत्तों की दूर-दूर अलग-अलग आवाज,

टकराती रहती सियारों की ध्वनि से।

काँपती हैं दूरियाँ, गूँजते हैं फासले।

2. ''जयशंकर प्रसाद का महाकाव्य 'कामायनी' छायावादी काव्यधारा की श्रेष्ठतम् कृति है।'' छायावादी प्रवृत्तियों के आधार पर इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए। 15

अथवा

''निराला विद्रोह और क्रांति के कवि हैं।'' उनकी कविताओं के आधार पर प्रमाणित कीजिए।

3. अज्ञेय की काव्य संवेदना और शिल्प पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

मुक्तिबोध के काव्य 'अंधेरे में' की भाव-सौन्दर्य एवं शिल्प-सौष्ठव की दृष्टि से विवेचना कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 4×5

(क) केदारनाथ अग्रवाल की प्रगतिवादी चेतना

(ख) रघुवीर सहाय की काव्यभाषा

(ग) शमशेर बहादूर सिंह का प्रयोगवादी काव्यधारा में स्थान

(घ) धूमिल का साहित्यिक परिचय

(ङ) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का काव्य-विषय

(च) भवानी प्रसाद मिश्र के काव्य में प्रकृति चित्रण

(छ) त्रिलोचन के काव्य की विशेषताएँ

5. निम्नलिखित अति लघु-उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×20

(क) 'तारसप्तक' का प्रकाशन कब हुआ?

(ख) किन्हीं दो प्रगतिवादी कवियों के नाम लिखिए।

(ग) 'सागर मुद्रा' किस कवि की रचना है?

(घ) कामायनी के प्रथम सर्ग का नाम लिखिए।

(ङ) मैथलीशरण गुप्त के किसी एक रचना का नाम लिखिए।

(च) निराला की 'कुकुरमुत्ता' किस वाद की कविता है ?

(छ) 'यामा' किनका काव्य संग्रह है ?

(ज) मधुकाव्य की रचना किसने की ?

(झ) नागार्जुन का वास्तविक नाम क्या है ?

(ञ) 'प्रतीक' पत्रिका के सम्पादक कौन हैं ?

(ट) भवानीप्रसाद मिश्र की कौन-सी कृति साहित्य अकादमी से पुरस्कृत हुई है ?

(ठ) 'काठ की घंटियाँ' किसकी रचना है ?

(ड) 'कामायनी' का रचनाकाल बताइए।

(ढ) शमशेर बहादूर सिंह किस तारसप्तक के कवि हैं ?

(ण) 'संसद से सड़क तक' किनकी रचना है ?

(त) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' का महाकाव्य 'प्रिय प्रवास' किस भाषा में लिखी गई है ?

(थ) हिन्दी का कौन-सा कवि मैथिली में 'यात्री' नाम से लिखता था ?

(द) 'सूर्य का स्वागत' किस कवि की रचना है?

(ध) 'फैंटेसी' का प्रयोग किस कवि की रचनाओं में अधिक मिलता है?

(न) 'सीढ़ियों पर धूप में' किनकी प्रसिद्ध रचना है?